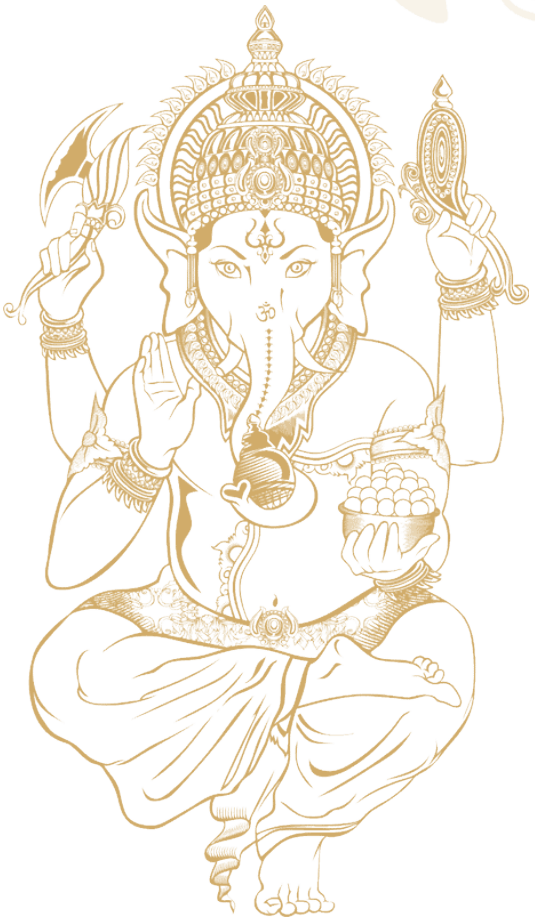

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121832902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/05/1996	जन्म तिथि	22/03/1997
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 08:55:00	जन्म समय	10:55:00 घंटे
घटी 08:07:50	जन्म समय(घटी)	11:37:39 घटी
India	देश	India
Nagpur	स्थान	Gorakhpur
21:10:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
79:12:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:12	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:51	सूर्योदय	05:58:46
18:40:06	सूर्यास्त	18:08:26
23:48:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 3मा 8दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 15वर्ष 7मा 18दि	
शुक्र		10:11:23	मिथु	लग्न	मिथु	03:25:28	चन्द्र	
15/08/2006		22:04:47	मेष	सूर्य	मीन	07:48:57	09/11/2018	
15/08/2026		27:25:55	वृश्चि	चंद्र	सिंह	16:14:36	09/11/2028	
शुक्र	14/12/2009	08:43:53	मेष	मंगल व	कन्या	01:02:15	चन्द्र	10/09/2019
सूर्य	14/12/2010	04:37:57	वृष व	बुध	मीन	18:12:05	मंगल	10/04/2020
चन्द्र	14/08/2012	23:50:41	धनु व	गुरु	मक	19:22:19	राहु	09/10/2021
मंगल	14/10/2013	00:58:59	मिथु	शुक्र	मीन	04:56:14	गुरु	08/02/2023
राहु	14/10/2016	09:25:44	मीन	शनि	मीन	15:20:28	शनि	09/09/2024
गुरु	15/06/2019	23:04:15	कन्या व	राहु	कन्या	04:56:00	बुध	08/02/2026
शनि	15/08/2022	23:04:15	मीन व	केतु	मीन	04:56:00	केतु	09/09/2026
बुध	14/06/2025	10:46:27	मक	हर्ष	मक	13:46:17	शुक्र	10/05/2028
केतु	15/08/2026	03:56:02	मक व	नेप	मक	05:41:23	सूर्य	09/11/2028
		08:22:45	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:43:52		

लग्न-चलित

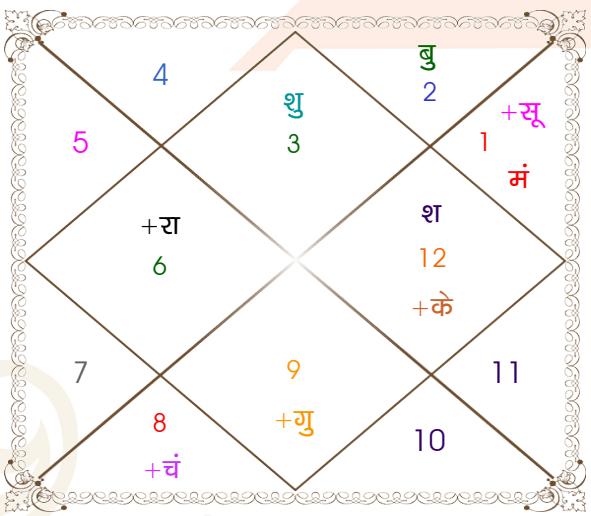

लग्न-चलित

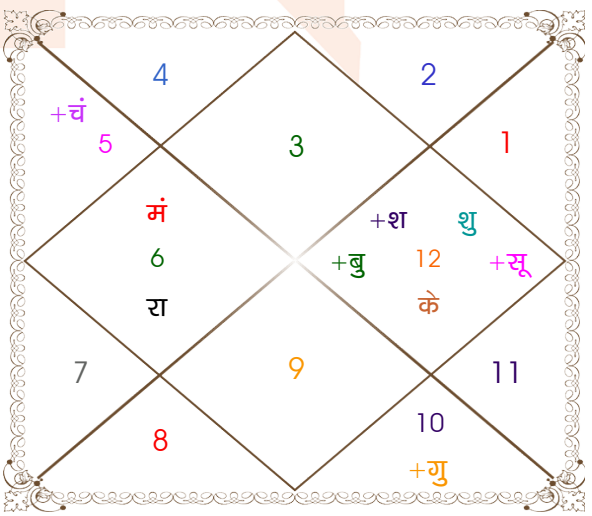

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।